SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 44: no 8, August 2004

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

धुमती

अगस्त, 2004

राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

अनुक्रम

लेख

- प्रो. शलभ : प्रेरक रुपहली किरण / 5
- डॉ. एन.पी. कुट्टन पिल्लै : सुभद्राकुमारी चौहान की साहित्य–साधना / 11
- डॉ. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' : गोदान की विसंरचनात्मक सार्थकता और सामिप्रायता / 15
- डॉ. बलदेव वंशी : सूर : विप्रलंभ शृंगार : महत भावों में जागृत निःसर्ग / 20
- डॉ. रामनाथ मेहता : आखिर सृजन है क्या / 24
- राजाराम भादू : हिन्दी पत्रिकाएं : विकास का एक दशक / 26

ललित निबंध

- डॉ. किशोरीलाल व्यास : आइए, हम वृक्ष देवता की आराधना करें / 30

संस्कृति

- मृदुला सिन्हा : परदेसी पुत्री के नाम पाती / 32

स्मरण

- डॉ. सूरज पालीवाल : गली–मोहल्ले में प्रेम की तलाश में भटकता एक कथाकार / 35
- डॉ. सत्यनारायण : रघुनन्दन त्रिवेदी के लिए / 38
- यह ट्रेजडी क्यों हुई : कहानी– रघुनंदन त्रिवेदी / 39

बातचीत

- जगदीश भगत : श्री विजय राघव रेड्डी से / 42

कविताएं

- मधुप शर्मा : धिक्कार / 45
- विजेन्द्र : एक अर्द्धविक्षिप्त महिला का एकालाप / 47
- जितेन्द्र शंकर बजाड़ : प्रार्थना, हाट से / 53
- हितेश व्यास : हाशिया और पेज, औरत बाहर, नूतनवाद / 54
- राम जैसवाल : वर्तमान गणित / 55
- डॉ. कमलाकान्त शर्मा 'कमल' : चुनौतियों के चौसर पर, मृग मरीचिका में जिये जा रहे हैं / 56
- श्रीमती सरोज गर्ग : शहादत को नमन / 57

विनोद वार्ता

- डॉ. लक्ष्मीनारायण नंदवाना : मसला नूरे जिगर के स्कूल में दाखिले का / 58

कहानियाँ

- डॉ. क्षमा चतुर्वेदी : अस्मिता / 61
- अन्नाराम सुदामा : खरी–खरी / 66

- राजेन्द्र मोहन भटनागर : मोर का सपना / 70
- शरद केवलिया : पुण्यतिथि / 76

जन्म दिवस पर

- श्री ओंकारश्री : धुन के धनी –आचार्य नरोत्तमदास स्वामी की हिन्दी–सेवा / 77

व्यंग्य

- रामविलास जांगिड़ : भाषण के लिए भाषण / 82

नव लेखन

- डॉ. हुसैनी बोहरा : समकालीन कविता में प्रकृति चित्रण / 84
- हेमन्त गुप्ता 'पंकज' : नियति, बीत गया दिन / 88

गीत/ग़ज़ल

- नचिकेता : छः गीत / 90
- मुकुट मणिराज : गाँव / 93
- रमेश कुमार शर्मा : जीवन की नियति, मन की नियति / 94
- ख़लील तनवीर : दो ग़ज़लें / 95
- डॉ. रमाकांत शर्मा : ग़ज़ल / 95
- सुषमा चौहान : चार ग़ज़लें / 96

भाषान्तर

- मूल–अनुराधा वैद्य, अनु.–सुशीला दुबे : सुहाग / 97

समीक्षा

- डॉ. हरमन चौहान : मूर्खता की महापोथी/अन्न का श्राद्ध/लेखक के घर छापा / 104
- साहित्यिक परिदृश्य / 107
- संवाद / 113
- रचनाकार / 116